# 3 समास-परिचय

## (अव्ययीभाव, द्विगु, बहुव्रीहि)

दो या अधिक पदों को इस प्रकार मिलाना कि उनके आकार में कमी आ जाय और अर्थ भी पूरा-पूरा निकल जाय, इसी संक्षेप की क्रिया को समास कहते हैं;

**जैसे–** नराणां पतिः = नरपतिः, राज्ञः पुरुषः = राजपुरुषः।

यहाँ पर 'नराणां पतिः' का वही अर्थ है, जो 'नरपतिः' का है, किन्तु 'नरपतिः' आकार में छोटा हो गया है।

### समास के भेद

समास के छह भेद होते हैं–

1. **अव्ययीभाव समास–** पूर्व पद की प्रधानता अर्थात् पहला पद प्रधान होता है।
2. **तत्पुरुष समास–** उत्तर पद की प्रधानता होती है।
3. **कर्मधारय समास–** विशेषण और विशेष्य का समास।
4. **द्विगु समास–** संख्यावाचक शब्द के साथ समास।
5. **बहुव्रीहि समास–** अन्य पद की प्रधानता।
6. **द्वन्द्व समास–** दोनों पदों की प्रधानता।

### 1. अव्ययीभाव समास

**सूत्र–''पूर्वपद प्रधानः अव्ययीभावः।''**

जिस समास में पहला पद प्रधान होता है और सम्पूर्ण शब्द क्रिया-विशेषण होकर अव्यय की भाँति प्रयुक्त होता है, वह अव्ययीभाव समास होता है। समास होने पर पूरा पद अव्यय बन जाता है तथा नपुंसकलिङ्ग एकवचन में प्रयोग किया जाता है।

**जैसे–** उपकूलम् = कूलस्य + समीपम् (किनारे के समीप)। यहाँ समीप अर्थ प्रकट करने के लिए 'उप' अव्यय का प्रयोग किया गया है।

इसी प्रकार अन्य उदाहरण हैं–

दिनं दिनं प्रति = प्रतिदिनम् **(2018HP,19AP,20MQ)**

गङ्गायाः समीपम् = उपगङ्गम् **(2019AS, AT, 20MO, MP, MR)**

योग्यम् अनतिक्रम्य = यथायोग्यम्

यथाशक्ति = शक्तिम् अनतिक्रम्य **(2019AU, 20MS, MU)**

जीवनस्य पर्यन्तम् = आजीवनम्

तटस्य समीपम् = उपतटम्

## अभ्यास-1

1. **निम्नलिखित समस्त-पदों का विग्रहसहित समास का नाम लिखिए–**
   निर्विघ्नम् , उपकृष्णम् , अनुदिनम् , प्रतिदिनम् , प्रत्यक्षं, यथाशक्ति, प्रत्येकः, उपतटम्।
2. **निम्नलिखित शब्दों में समास कीजिए तथा समास का नाम बताइए–**
   गंगायाः समीपम् , जीवनस्य पर्यन्तम् , दोषाणां अभावः, मरणस्य पर्यन्तम्।
3. अव्ययीभाव समास किसे कहते हैं?

### 2. द्विगु समास

**सूत्र– ''संख्यापूर्वो द्विगुः।''**

जिस समास में पूर्व पद संख्यावाचक हो, वह द्विगु समास कहलाता है। द्विगु समास के सामासिक-पद प्रायः नपुंसकलिङ्ग में होते हैं।

**जैसे–** त्रयाणां भुवनानां समाहारः = त्रिभुवनम् **(2019AO, AU, 20MS)**

पञ्चानां गवानां समाहारः = पञ्चगवम् **(2020MU)**

चतुर्णाम् फलानां समाहारः = चतुर्फलम्

सप्तानाम् अध्यायानां समाहारः = सप्ताध्यायी **(2020MP, MQ)**

नवानाम् रात्राणाम् समाहारः = नवरात्रः **(2020MO)**

# अभ्यास-2

(1) **निम्नलिखित समस्त-पदों का समास कीजिये तथा समास का नाम लिखिए–**
त्रयाणां लोकानाम् समाहारः, शतानाम् अब्दानां समाहारः, अष्टानां अध्यायानां समाहारः, त्रयाणां फलानां समाहारः।

(2) **निम्नलिखित में समास-विग्रह कीजिये तथा समास का नाम लिखिए–**
पञ्चपात्रम्, त्रिवेणी, नवरात्रम्, त्रिफला, त्रिलोकी, पञ्चदिनम्, द्विरात्रम्, सप्तराती, चतुर्भुजम्, शताब्दी।

## 3. बहुव्रीहि समास

**सूत्र– ''अनेकमन्य पदार्थे।''**

इस समास में अनेक पद होते हैं, परन्तु वे किसी अन्य पद के विशेषण होते हैं। इसमें अन्य पद के अर्थ की प्रधानता होती है अर्थात् अपना स्वतन्त्र अर्थ न देकर अन्य पद के लिए विशेषण का कार्य करते हैं। इसमें विग्रह करते समय 'यत्' शब्द के रूपों (यस्य, येन आदि) का प्रयोग किया जाता है।

**जैसे–** पीताम्बरः = पीतम् अम्बरं यस्य सः।
यशोधनः = यशः एव धनं यस्य सः। **(2020MR)**
विपुलधनः = विपुलं धनं यस्य सः। **(2020MU)**
कमलासनः = कमलम् आसनं यस्य सः।
गजाननः = गजः आननः यस्य सः।
नीलाम्बरः = नीलम् अम्बरं यस्य सः।

बहुव्रीहि समास के भी चार भेद होते हैं—

**1. समानाधिकरण बहुव्रीहि–** इसमें समास के दोनों या सभी पदों में समान विभक्ति होती है। समस्त-पद विशेषण का कार्य करता है। विग्रह करते समय 'यत्' के द्वितीया आदि विभक्ति के रूपों का प्रयोग किया जाता है।

**जैसे–** लम्बकर्णः = लम्बौ कर्णौ यस्य सः। **(2020MQ)**
महाशयः = महान् आशयः यस्य सः।

**2. व्यधिकरण बहुव्रीहि–** इसमें समास के दोनों पदों में अलग-अलग विभक्ति होती है–

**जैसे–** चक्रपाणि = चक्रं पाणौ यस्य सः। **(2020MP)**
चन्द्रशेखरः = चन्द्रः शेखरे यस्य सः। **(2020MO)**

**3. तुल्ययोग बहुव्रीहि–** इसमें साथ (सह) का योग होता है।

**जैसे–** सपुत्रः = पुत्रेण सहितः।
सानुजः = अनुजेन सहितः।

**4. व्यतिहार बहुव्रीहि–** इसमें तृतीयान्त या सप्तम्यन्त पदों का प्रयोग होता है और लड़ाई-झगड़े का आभास होता है।

**जैसे–** मुष्टामुष्टि = मुष्टिभिः मुष्टिभिः प्रहृत्य इदं प्रवृत्तं युद्धं।
दण्डादण्डि = दण्डैः च दण्डैः च प्रहृत्य इदं प्रवृत्तं युद्धं।

# अभ्यास-3

1. **निम्नलिखित शब्दों में विग्रह सहित समास का नाम लिखिए–**
महात्मा, त्रिनेत्र, लम्बोदरः, पीताम्बरः, जितेन्द्रियः, यशपाणिः, महाधनः, श्वेताम्बर, चतुर्वक्त्रम्, उपकृष्णम्, अष्टाध्यायी, यशोधनः, चतुराननम्, महात्मा, आकण्ठ, राजपुरुषः, गदापाणिः, केशाकेशि।

2. **निम्नलिखित शब्दों का समास बताते हुए समास का नाम लिखिए–**
गदा हस्ते यस्य सः, वीराः पुरुषाः यस्मिन् सः, पुत्रेण सहितः, कुटुम्बेन सहितः, चूड़ायां मणिः यस्य सः।

3. **बहुव्रीहि समास में किसकी प्रधानता होती है?**

4. **निम्नलिखित समस्त पदों में से किसी एक का विग्रहपूर्वक समास का नाम बताइए।**
(अ) यथायोग्यम्, त्रिनेत्रम्, यशोधनम्, सपुत्रः

(ब) प्रतिदिनम्, पीताम्बरः, नरपतिः, यथाशक्तिः, त्रिलोकी, कमलासनः, त्रिभुवनम्
(स) राजपुत्रः, चतुर्फलम्, लम्बकर्णः, पंचपात्रम्
(द) आजीवनम्, पञ्चवयम्, विपुलधनः
(य) प्रत्येकम्, त्रिवेणी, महाशयः
(र) आकण्ठम्, रामलक्ष्मणौ, पंचवटी, दशाननः
(ल) निर्दोषः, चतुर्युगम्, गदापाणि
(व) त्रिभुवनम्, नीलकण्ठः, राजपुरुषः अथवा यथाशक्ति

**5. सही विकल्प चुनकर लिखिए–**

**(अ) 'उपगङ्गम्' में समास है–**
(i) अव्ययीभाव समास, (ii) बहुव्रीहि समास, (iii) तत्पुरुष समास

**(ब) 'यथायोग्यम्' में समास है–**
(i) अव्ययीभाव (ii) तत्पुरुष समास (iii) बहुव्रीहि समास

**(स) 'चन्द्रशेखरः' में समास है–** **(2018HP, HT)**
(i) द्वन्द्व (ii) अव्ययीभाव (iii) बहुव्रीहि

**(द) 'लम्बोदरः' में समास है–** **(2019AO, 20MS)**
(i) बहुव्रीहि समास (ii) अव्ययीभाव समास (iii) द्विगु समास

**(ध) यथाशक्ति में समास है–** **(2018HR)**
(i) अव्ययीभाव समास (ii) बहुव्रीहि समास (iii) द्विगु समास

**(न) सप्ताध्यायी में कौन-सा समास है?**
(i) अव्ययीभाव समास (ii) बहुव्रीहि समास (iii) द्विगु समास

**(प) सानुजः में समास है–**
(i) अव्ययीभाव समास (ii) द्विगु समास (iii) बहुव्रीहि समास

**(फ) अधिहरि में कौन-सा समास है?**
**अथवा 'अधिहरि' में समास है–**
(i) तत्पुरुष समास (ii) अव्ययीभाव समास (iii) द्वन्द्व समास

**(ब) 'यथास्थानम्' में समास है–**
(i) द्विगु (ii) बहुव्रीहि (iii) अव्ययीभाव

**(भ) 'नवरत्नम्' में समास है–**
(i) द्विगु (ii) द्वन्द्व (iii) बहुव्रीहि

**(म) बहुव्रीहि समास का उदाहरण है?**
(i) महात्मा (ii) चतुरानन (iii) सशिवम्

**(य) 'अष्टाध्यायी' में समास है–**
(i) बहुव्रीहि (ii) कर्मधारय (iii) द्विगु

**(र) 'चक्रपाणिः' में समास है–**
(i) अव्ययीभाव (ii) बहुव्रीहि (iii) द्विगु

**(ल) 'पितरौ' में समास है–**
(i) कर्मधारय (ii) द्विगु (iii) द्वन्द्व

**(व) 'गजाननः' में समास है–**
(i) कर्मधारय (ii) द्विगु (iii) बहुव्रीहि

**(श) 'पंचमूली' में समास है–**
(i) द्विगु (ii) बहुव्रीहि (iii) अव्ययीभाव

**(ष) 'प्रतिदिनम्' में समास है–**
(i) द्विगु (ii) अव्ययीभाव (iii) बहुव्रीहि ●